सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-28
18/01/2016

बिहार के लोग मेहनती हैं, हमारी युवा पीढ़ी मेधावी है :– मुख्यमंत्री

पटना, 18 जनवरी 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज होटल मौर्या में भारतीय प्रतिभूति औरं विनिमय बोर्ड **(Securities and Exchange Board of India)** का पटना स्थित स्थानीय कार्यालय का उद्घाटन करते हुये कहा कि बिहार के लोग मेहनती हैं, हमारी युवा पीढ़ी मेधावी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस देश में कहीं भी प्रतियोगिता परीक्षा हो तो सबसे अधिक बिहार के युवा ही उतीर्ण होते हैं। उनके मेधा एवं उद्यमिता में कहीं कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी उत्साह से लवरेज है एवं कुछ करना चाहती है। बिहार में बहुत कुछ हो रहा है। बिहार के पुराने उद्यमियों ने विपरित परिस्थिति में भी बिहार में ही रहकर बिहार के विकास के लिये ही प्रयासरत रहे। उनमें भी उत्साह है, हमारे जो एसएमआई है। उनमें पूँजी आठ प्रतिशत, उत्पादन चालीस प्रतिशत एवं निर्यात का हिस्सा चालीस प्रतिशत है। आज उद्यमी बाजार में किन चीजों की जरूरत है, उसके मद्देनजर उपभोक्ता के पसंद एवं नापसंद को देखते हुये उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिये विज्ञापन का सहारा लेते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी युवा सिर्फ नौकरी ही नहीं करना चाहते, वे कारोबार करना चाहते हैं, जिसमें दूसरे को नौकरी देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन तीन आंतरप्रेणर जो मुम्बई से आकर यहॉ अपनी बात रखे हैं तथा बिहार में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें मैं आमंत्रित करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में आई0टी0 के क्षेत्र में बड़ा आयोजन हुआ था, उस आयोजन में सेबी के अध्यक्ष श्री यू0के0 सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका थी। हमलोग एक साथ पटना यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। जब हम पहली बार एम0पी0 बने तो हमारा रिटर्निंग अफसर यू0के0 सिन्हा ही थे। किस परिस्थिति में कैसे काम किया जाता है, इसकी क्षमता इनमें है। एक माह बाद वे सेबी से रिटायर करने वाले हैं। मैं उन्हें आमंत्रित करता हूँ कि वे बिहार के लिये काम करें तथा अपने ऊपर जिम्मेवारी लें। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग अपने बचत के पैसे को या तो घर में रखना चाहते हैं या बैंक में रखते हैं। अन्य क्षेत्रों में पैसा लगाना ही नहीं चाहते। मैं चाहता हूँ कि श्री सिन्हा साहब म्यूअल फंड एवं कई ऐसे सेक्टर हैं, जहॉ लोग अपने बचत की राशि लगा सकते हैं, उनमें जागृति लायें। पिछले दो वर्षों से सिन्हा साहब ने इस क्षेत्र में बहुत प्रयत्न किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में युवाओं के उद्यमिता विकास एवं स्टार्टअप कैपिटल हेतु पॉच सौ करोड़ रूपये का वेंचर कैपिटल फंड स्थापित किया जा रहा है। जहॉ युवाओं का पंजीकरण होगा और रोजगार के विभिन्न अवसरों से भी उन्हें अवगत कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में चल रही योजनाओं के साथ–साथ सात निश्चय को भी लागू किया जा रहा है। हमलोग निर्णय लेते हैं, साधन का प्रबंध करते हैं, इजक्यूट तो सेबी को ही करना है। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं में आंतरप्रेणरशीप की कमी नहीं है। उद्यामियों को प्रोत्साहित किया जाना है। अगर कोई रिस्क नहीं लेगा तो कुछ नहीं कर सकता है। बिना रिस्क का सफलता मिलना असंभव है। कोई भी कार्य ऐसा नहीं है, जो बिना रिस्क का हो लेकिन जान–बूझकर सरकार का पैसा डूबना नहीं चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे आंतरप्रेणर आगे बढ़ें, शुरूआती दौर में कठिनाई होगी। अगर वे एक बार उद्यम के लिये जुड़ जायेंगे तो काफी आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि ठग लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। ठग लोग घूम–घूमकर लोगों के कान में यह बात कहते हैं कि एक साल में पैसा दुगुना हो जायेगा। गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोग ठगों के बात में आकर फॅस जाते हैं और जब फॅस जाते हैं तो परेशानियों का सामना करते हैं। उन्हें जागरूक करने की जरूरत है कि उनमें मन में लालच पैदा नहीं हो और वे अपने बचत के पैसे को सही क्षेत्रों में लगायें। सेबी तो कार्रवाई करती ही है, सरकार भी ऐसे लोगों पर सख्त है। उन्होंने कहा कि सेबी पहले से ही लोगों को आगाह करे कि बचत का पैसा वैध जगहों पर ही लगायें। उन्होंने कहा कि बिहार में आधारभूत संरचना, सड़क, शिक्षा, कृषि, बिजली आदि क्षेत्रों में काम हो रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में हम पिछड़े हुये हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में शुगर इन्डस्ट्री का काम ठीक ढ़ंग से चल रहा है। फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भी काफी गुंजाइश है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहॉ के उद्यमी रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, जिसके कारण बिहार के किसानों के द्वारा मक्का की उपजाई गई तीन–तीन फसल को वे खरीद लेते हैं और मक्का को प्रोसेसिंग कर उच्च कीमत पर बिहार में ही बेच देते हैं। उन्होंने कहा कि जब हमने बालिका साइकिल योजना की शुरूआत की थी तो उद्यमियों से कहा था कि बिहार में साइकिल यूनिट लगा लीजिये। उद्यमियों ने शर्त रखी थी कि सरकार साइकिल यूनिट से साइकिल खरीदें। हम खरीदकर बालिकाओं को साइकिल नहीं देना चाहते थे। हम साइकिल घोटाला नहीं होने देना चाहते थे। बालिकाओं को साइकिल की राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि बालकों को भी साइकिल दिया जा रहा है। बाहर के लोग आकर यहॉ साइकिल उद्योग की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि आंतरप्रेणर अगर अपने आपको उद्यम से जोड़ लें तो उन्हें अधिक फायदा होगा और उनकी पूॅजी की वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा जारी ऑकड़ों में बिहार जी0डी0पी0 में पहले स्थान पर है। हमारे विरोधी कहते हैं कि सबकुछ खत्म हो गया। अगर सबकुछ खत्म हो गया तो हमारा जी0डी0पी0 कैसे बढ़ रहा है। हम तो अपना काम करते रहेंगे। ऐसे लोगों को पॉच वर्षों तक छाती पिटना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सात निश्चय से उद्यमियों को काम करने की ऑपरच्यूनिटी बनेगी। दुनिया एवं देश को देखते हुये उद्यमी बिहार के विकास के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि हमारे यहॉ रातो–रात बिग टिकट इनवेस्टमेंट नहीं आयेगा लेकिन लघु एवं मध्यम उद्योग दिन–प्रतिदिन बढ़ रहा है। उन्होंने यंग आंतरप्रेणर को सलाह दिया कि पहले अपने क्षेत्र में कुछ ऐसा करके दिखाइये कि लोग वाह–वाह कर उठे। सरकार आगे बढ़ने के लिये आपकी जो भी मदद कर सकती है, करेगी।

वित्त मंत्री श्री अब्दुलबारी सिद्दीकी ने कहा कि सेबी के अध्यक्ष श्री यू0के0 सिन्हा बिहारी होने का दायित्व का निवर्हन सेबी का पटना स्थित स्थानीय कार्यालय को खोलकर किये हैं। इन्होंने देश में सेबी के 16 कार्यालय को खोलकर देश के प्रति भी अपने कर्तव्यों का निवर्हन किया है। बिहार जो एग्रोबेस राज्य है, जहॉ लघु एवं निम्न किसान की संख्या ज्यादा है। सेबी को उन्हें मार्केट से जोड़कर इनवेस्टर के रूप में प्रोत्साहित करने की जिम्मेवारी है। बिहार के बैंकों का एक बड़ा एमाउंट बिहार से बाहर जा रही है। बिहार के बैंक बिहार से बाहर अपने सामाजिक एवं विकासात्मक दायित्व को बिहार से ज्यादा निभाते हैं। बिहार में लोगों को निवेश करने की भावना आयी है। बिहार जैसे राज्य में सेबी की भूमिका महत्वपूर्ण हो गयी है। लोगों को उद्यम में शिक्षित कर सेबी अपने दायित्वों का निवर्हन करेगा।

सेबी के अध्यक्ष श्री यू0के0 सिन्हा ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सेबी के अध्यक्ष श्री यू0के0 सिन्हा, आई0बी0सी0ए0 के चेयरमैन श्री संजय नायर, उद्यमी श्री हर्षद ठक्कर, उद्यमी श्री शिवशंकर लातुर, उद्यमी श्री राज शर्मा ने भी

सभा को संबोधित किया। स्वागत भाषण मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री आशीष कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सेबी के कार्यकारी निदेशक श्री आर0के0 पद्मनाभन ने किया।

******